आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 46 लखनऊ, रविवार 14 मार्च से 20 मार्च, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

कोविंद का तीन दिवसीय पूर्वांचल दौरा

लखनऊ। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शनिवार से तीन दिनों तक पूर्वांचल में रहेंगे। आज वह वाराणसी पहुंचेंगे और काशी विश्वनाथ मंदिर में सपरिवार दर्शन–पूजन करने के बाद गंगा आरती में भाग लेंगे। रात्रि विश्राम बरेका गेस्ट हाउस में करेंगे। गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष और आरती आयोजक सुशांत मिश्रा ने बताया, देश के राष्ट्राध्यक्ष गंगा आरती सपरिवार देखेंगे। भव्य गंगा आरती में ६ अर्चकों के साथ रिद्धि सिद्धि के रूप में १८ कन्याएं भी रहेंगी। घाट को फूल, मालाओं और दीपों से सजाया जाएगा। १४ मार्च कल सोनभद्र के बभनी ब्लक में कारीडाड़ चपचपकी स्थित सेवाकुंज आश्रम जाएंगे। यहां विविध कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद मिजार्पुर स्थित विंध्यवासिनी मंदिर में भी दर्शन–पूजन करने जाएंगे। १५ मार्च को वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद दोपहर बाद दिल्ली को लौट जाएंगे। डीएम कौशल राज शर्मा ने दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती देखने के लिए आने वाले दर्शनर्थियों से अपील की है कि शनिवार को

राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए शाम ५रू३० बजे के बाद घाट पर प्रवेश रोक दिया जाएगा। गंगा आरती के लिए शाम ५रू३० के पहले घाट पर प्रवेश किया जा सकता है। सोनभद्र में बभनी ब्लॉक के कारीडाड़ चपचपकी स्थित सेवाकुंज आश्रम में १४ मार्च को राष्ट्रपति के आगमन को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई हैं। राष्ट्रपति की सुरक्षा दस्ते से जुड़े अधिकारियों ने स्थानीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बार फिर सुरक्षा का जायजा लिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने सेवाकुंज आश्रम में की गई तैयारियों को देखा। एसपी अमरेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा, राष्ट्रपति के आगमन को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। उनकी सुरक्षा के लिए बाहर से फोर्स और तकनीकी बल भी जिले में पहुंच गए हैं। इन बलों के जवानों को ठहराने और कार्यक्रम स्थल तक आने–जाने की व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है। कार्यक्रम स्थल सीमांत क्षेत्र में आता है, इसलिए उसके आसपास के प्रदेशों से सटे जंगलों में लगातार कांबिंग की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है।

अडानी का संपत्ति रिकार्ड, राहुल का तंज

नई दिल्ली। अडानी समूह के गौतम अडानी की संपत्ति में पिछले साल रिकार्ड बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने दुनिया के सबसे अमीर लोगों एलन मस्क और जेफ बेजोस से भी ज्यादा संपत्ति अर्जित की है। उनकी संपत्ति में एक साल में ५० फीसदी का इजाफा हुआ है। यह रिपोर्ट सामने आने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अडानी की संपत्ति में हुई बढ़ोतरी को लेकर तंज किया। उन्होंने कहा कि लोगों की संपत्ति जीरो परसेंट बढ़ी है, जबकि अडानी ने अपनी संपत्ति में ५० फीसदी की बढ़ोतरी कर ली। राहुल गांधी ने शनिवार को ट्विट करके अडानी समूह की संपत्ति का मुद्दा उठाया। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर लिखा– आपकी संपत्ति २०२० में कितना बढ़ी? शून्य। आप जीवन के लिए संघर्ष करते रहे और इस बीच उसने १२ लाख करोड़ रुपए कमा कर अपनी संपत्ति ५० फीसदी बढ़ा ली। क्या आप बता सकते हैं क्यों? राहुल ने इस ट्विट के साथ एक रिपोर्ट भी साझा की, जिसमें अडानी समूह के प्रमुख गौतम अडानी की संपत्ति का ब्योरा दिया गया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अडानी ने पिछले साल संपत्ति अर्जित करने के मामले में दुनिया के सबसे बड़े धनकुबेरों एलन मस्क, जेफ बेजोस और बिल गेट्स को भी पछाड़ दिया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय में अडानी समूह ने हवाईअड्डों, बंदरगाहों, ऊर्जा

आदि के क्षेत्र में बड़ी तरक्की की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सिर्फ एक को छोड़ कर अडानी समूह के सभी शेयरों में इस साल कम से कम ५० फीसदी की तेजी आई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक– इस २०२० में गौतम अडानी की संपत्ति में १५.८ अरब डॉलर जुड़े हैं। वहीं, अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की संपत्ति में ८.६३ अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इसके अलावा माइक्रोसॉफ्ट के मालिक बिल गेट्स की संपत्ति में २३.६ करोड़ डालर का इजाफा हुआ है। वरेन बफे की संपत्ति में ११.७ अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।

सीएम योगी के हाथों नियुक्ति पत्र मिलते ही प्रदेश में बढ़ी खंड शिक्षा अधिकारियों की संख्या

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बेसिक शिक्षा परिषद को २७१ खंड शिक्षा अधिकारी दिए। इन सभी नवनियुक्त खंड शिक्षा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र भी मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से प्रदान किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई भी दी। लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा हमने चार वर्ष के इस कार्यकाल के दौरान प्रदेश में चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से चार वर्ष पहले उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की गरिमा दांव पर लगी थी। जाति, क्षेत्र, मत और मजहब देखकर नियुक्तियां दी जाती थीं। धनबल और बाहुबल का भरपूर दुरुपयोग होता था। उन स्थितियों में पारदर्शिता और सुचिता कपोल कल्पना मात्र थी। लेकिन आज सभी चयन आयोगों से पारदर्शी तरीके से अभ्यर्थियों का चयन हो रहा है। सरकार ने आयोगों और बोर्डों को पहले ही कह दिया था कि कहीं भी पक्षपात या भ्रष्टाचार की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई होगी। इसी का परिणाम है कि आज कोई भी युवा भ्रष्टाचार की शिकायत नहीं करता है।बता दें कि खंड शिक्षा अधिकारियों के लिए ३०६ पदों पर विज्ञापन निकाला था, जिसमें से २७१ सफल घोषित हुए। प्रदेश में

१२ साल बाद खंड शिक्षा अधिकारियों की नियुक्ति हुई है। खंड शिक्षा अधिकारी २०१६ की मुख्य परीक्षा में २७१ अभ्यर्थी सफल घोषित हुए थे। खंड शिक्षा अधिकारी २०१६ की मुख्य परीक्षा ६ दिसंबर, २०२० को आयोजित हुई थी। इस परीक्षा में कुल ४१८२ अभ्यर्थी शामिल हुए थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी उत्तर प्रदेश में हर दूसरे–तीसरे दिन बड़ा दंगा होता था, जिसमें काफी संपत्ति की हानि होती थी। इन दंगों के कारण प्रदेश की छवि प्रभावित होती थी। आम आदमी परेशान होते थे। इस दौरान नियंत्रण के लिए पुलिस बल की आवश्यकता थी, लेकिन पुलिस कर्मियों की संख्या कम थी। तीन लाख की बजाए सवा लाख बल ही मौजूद था। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पीएसी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन उसकी ५४ कंपनियां समाप्त कर दी गई थीं। तब प्रदेश सरकार ने कहा कि पूरी पारदर्शी तरीके से भर्ती की प्रक्रिया होनी है, जिसमें महिलाओं को प्राथमिकता दी गई। इसी का परिणाम है कि चार वर्षों के दौरान डेढ़ लाख से अधिक पुलिस कर्मियों की भर्ती की गई। मुख्यमंत्री ने नव नियुक्त अभ्यर्थियों से पूछा कि भर्ती के दौरान किसी को सिफारिश की आवश्यकता पड़ी? जवाब नहीं में आया तो सीएम योगी ने फिर पूछा कि किसी अधिकारी नेता, मंत्री या उनके घर के लोग आपसे पैसे वसूलने के लिए आए हों? इसका भी जवाब नहीं में आया तो उन्होंने कहा कि वर्ष २०१७ से पहले ऐसा होता था। कोई खानदान था जिनमें अलग–अलग भर्ती आवंटित हो जाती थी कि ये भर्ती चाचा देखेंगे, ये भर्ती भाई देखेंगे या भतीजा देखेगा।

५८ हजार से अधिक ग्राम सभाओं में जनसंवाद करने का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने ५८ हजार से अधिक ग्राम सभाओं में जनसंवाद करने का लक्ष्य रखा है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और पंचायत चुनाव के लिए संगठन के प्रभारी व एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने बताया कि १८ मार्च तक पार्टी के नेता, केंद्र व राज्य सरकार के मंत्री, सांसद व विधायक ५८ हजार से अधिक ग्राम सभाओं में पहुंचकर जनसंवाद करेंगे और केंद्र और राज्य की लोक कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा करेंगे। पाठक ने बताया कि भाजपा ने केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों और पार्टी के पदाधिकारियों को ग्राम चौपालों में पहुंचने की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को गांव–गांव में व्यापक समर्थन मिल रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने बृहस्पतिवार को लखनऊ के गंगागंज से ग्राम चौपाल अभियान का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाजपा ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य के पद पर सीधे अपने उम्मीदवार नहीं उतार रही है, लेकिन जिला पंचायत सदस्य के लिए तीन हजार से अधिक सभी वार्डों में अपने प्रत्याशी उतारेगी। इस चुनाव के जरिये भाजपा २०२२ में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भी अपनी जमीनी हकीकत का आकलन करेगी।

सम्पादकीय

क्या भारत में अब सचमुच कानून का राज बचा है?

जब मंत्री पदों पर आसीन लोग खुद लोगों को कानून अपने हाथ में लेने के लिए प्रोत्साहित करें और इसकी उन्हें कोई कीमत ना चुकानी पड़े, तो यही माना जाएगा कि कम से कम सत्ताधारी नेताओं की निगाह में कानून के राज का कोई मोल नहीं है। हालांकि ये कहने की जरूरत नहीं होनी चाहिए, लेकिन मौजूदा हाल में इस पर जोर देना जरूरी है कि कानून और संविधान की रक्षा मंत्रियों का दायित्व है। इसलिए भी कि वे इनकी रक्षा की शपथ लेकर अपने पद पर बैठते हैं। लेकिन यह बात आखिर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से कौन पूछेगा कि क्या वे सचमुच ये शपथ निभा रहे हैं? सिंह ने अपने लोकसभा क्षेत्र बेगूसराय में एक जन सभा में लोगों से उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी उनकी बात नहीं सुनते हैं, तो उन्हें 'बांस से मारिए।' केंद्र में त्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी विभागों के मंत्री सिंह ने कहा कि उन्हें अक्सर शिकायतें मिलती हैं कि अधिकारी जनता की शिकायतों को नहीं सुनते हैं। इस पर गिरिराज सिंह का क्या फर्मूला है, उस पर विस्तार से ध्यान दिया जाना चाहिए। सिंह ने ने कहा– 'मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि इतनी छोटी बात के लिए मेरे पास क्यों आते हैं। सांसद, विधायक, गांव के मुखिया, डीएम, एसडीएम, बीडीओ– इन सभी का कर्तव्य जनता की सेवा करना है। अगर वे आपकी बात नहीं सुनते हैं तो दोनों हाथों से बांस उठाइए और उनके सिर पर दे मारिए। अगर इससे भी काम नहीं होता है, तो गिरिराज आपके साथ है।' केंद्रीय मंत्री की इस बात पर सभा में उपस्थित लोगों ने तालियां बजाईं। लेकिन यह लोगों को भड़काने जैसा बयान है। अगर केंद्र सरकार और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व की निगाह में कानून की इज्जत होती, तो इस बयान के लिए गिरिराज सिंह को जवाबदेह बनाते। आखिर इस बयान का यह भी मतलब है कि केंद्र और राज्य की एनडीए सरकारों का अपने अफसरों पर काबू नहीं है। तो फिर यह कैसा शासन है? क्या इसका यह अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए कि बिहार में एक तरह की अराजकता फैली हुई है, जिस पर किसी का काबू नहीं है? बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सवाल पूछने पर पत्रकारों से कहा कि 'आपको गिरिराज सिंह से पूछना चाहिए कि क्या इस तरह की भाषा का उपयोग करना न्यायसंगत है।' यानी वे कुछ नहीं पूछेंगे!

योगी ने अमृत महोत्सव पर स्वतंत्रता सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश की आजादी की ७५वीं वर्षगांठ को समर्पित 'अमृत महोत्सव' कार्यक्रम में काकोरी स्थित शहीद स्मारक पहुंचे और उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को काकोरी के शहीद स्मारक पहुंचने से पहले ट्वीट किया "प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आजादी की ७५वीं वर्षगांठ पर आयोजित होने वाला 'आजादी का अमृत महोत्सव' भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अमर सेनानियों को श्रद्धांजलि है।" उन्होंने कहा, "यह महोत्सव संपूर्ण देशवासियों, खासतौर पर युवाओं को स्वाधीनता आंदोलन की पुनीत स्मृतियों से

जोड़ेगा। जयहिंद। आजादी की ७५वीं वर्षगांठ को समर्पित 'अमृत महोत्सव' कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के साबरमती आश्रम से की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के काकोरी समेत कई स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के ट्वीट के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि " हमने तय किया है कि आजादी के आंदोलन की जितनी भी प्रमुख तिथियां हैं, अगले एक वर्ष के दौरान हर घटना की स्मृति में हर शहीद स्मारक पर राज्य सरकार के स्तर पर जनसहभागिता के साथ आजादी के ज्ञात व अज्ञात शहीदों के स्मरण के लिए कार्यक्रम आयोजित होंगे।"

नहीं जारी होगी आरक्षण सूची, अदालत ने लगाई रोक, सरकार व चुनाव आयोग से जवाब–तलब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव में आरक्षण की व्यवस्था को अंतिम रूप देने पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने शुक्रवार को अंतरिम रोक लगा दी। अदालत ने मामले में राज्य सरकार व चुनाव आयोग से जवाब तलब किया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवायी १५ मार्च को निर्धारित की है। यह आदेश न्यायमूर्ति रितुराज अवस्थी व न्यायमूर्ति मनीष माथुर की पीठ ने अजय कुमार की ओर से दाखिल एक जनहित याचिका पर पारित किया। याचिका में ११ फरवरी २०२१ को जारी एक शासनादेश को चुनौती दी गयी है, जिसके जरिये वर्तमान में पंचायत चुनावों में आरक्षण प्रकिया पूरी की जा रही है। याचिकाकर्ता के वकील मो. अल्ताफ मंसूर ने कहा कि जिला एवं क्षेत्र पंचायत चुनावों में आरक्षण की रोटेशन व्यवस्था के लिए १९९५ को आधार वर्ष माना जा रहा है और उसी आधार पर आरक्षण को रोटेट किया जा रहा है। हालांकि राज्य सरकार ने १६ सितम्बर २०१५

को एक शासनादेश जारी करके आधार वर्ष २०१५ कर दिया था और उसी आधार पर पिछले चुनावों में आरक्षण भी किया गया था। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार को इस वर्ष भी २०१५ को आधार वर्ष मानकर आरक्षण को रोटेट करने की प्रकिया करना था किन्तु सरकार मनमाने तरीके से १९९५ को आधार वर्ष मानकर आरक्षण प्रकिया पूरी कर रही है और १७ मार्च २०२१ को आरक्षण सूची घोषित करने जा रही है। याचिका में आगे कहा गया कि १६ सितम्बर २०१६ का शासनादेश अभी भी प्रभावी है, ऐसे में वर्तमान चुनावों के लिए आरक्षण के रोटेशन के लिए २०१५ को ही आधार वर्ष माना जाना चाहिए। याचिकाकर्ता द्वारा उठाये गये मुद्दों को मानते हुए खंडपीठ ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग के वकीलों को जनहित याचिका में उठाए गए मुद्दे के संबंध में चौबीस घंटे के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया। याचिका पर सुनवायी के बाद अदालत ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए पंचायत चुनावों के लिए आरक्षण की प्रकिया को अंतिम रूप देने पर रोक लगा दी और सरकार व चुनाव आयोग से जवाब तलब किया।

सीधे नहीं की जाएगी आयुष किशोर की गिरफ्तारी-राज्य सरकार

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के समक्ष राज्य सरकार ने आश्वासन दिया है कि आयुष किशोर के मामले में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा ४१ ए तथा सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों का

अनुपालन करते हुए, उसकी सीधे तौर पर गिरफ्तारी नहीं की जाएगी। सरकार के इस आश्वासन को रिकर्ड पर लेते हुए इस सम्बंध में दाखिल याचिका को निस्तारित कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति आलोक माथुर की खंडपीठ ने भाजपा सांसद कौशल किशोर के पुत्र आयुष किशोर की याचिका पर दिया। याचिका में आयुष के खिलाफ मड़ियांव थाने में आईपीसी की धारा १२०बी, ४२० और ५०५(१)(बी) के तहत दर्ज एफआईआर को चुनौती दी गई थी। साथ ही अंतरिम राहत के तौर पर याची को फिलहाल गिरफ्तार न करने का आदेश देने की भी मांग की गई थी। याचिका पर राज्य सरकार के अधिवक्ता का कहना था कि याची के खिलाफ लगी धाराओं के तहत सजा सात साल तक की ही है। लिहाजा उसकी सीधे गिरफ्तारी नहीं की जाएगी, बल्कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा ४१ ए व सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा। कहा गया कि विवेचना में सहयोग के लिए याची को विवेचनाधिकारी नोटिस भेजेंगे।

'होर्डिंग, ब्रान्डिंग और झूठे इवेंट मैनेजमेंट' के सहारे चल रही योगी सरकार : कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर रोजगार के नाम पर युवाओं से मजाक करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सूबे की सरकार सिर्फ 'होर्डिंग, ब्रान्डिंग और झूठे इवेंट मैनेजमेंट' के सहारे चल रही है। लल्लू ने जारी बयान में कहा, "लेखपाल भर्ती को लेकर जिस प्रकार मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक हैंडल से निराधार और झूठा ट्वीट और एक वीडियो जारी किया गया वह प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ और क्रूर मजाक है। सच्चाई तो यह है कि लेखपाल की कोई भर्ती निकाली ही नहीं गयी है। कांग्रेस पार्टी ने जब इस झूठ को पकड़ लिया तो मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इस ट्वीट को डिलीट कर दिया गया।" उन्होंने आरोप लगाया, "योगी सरकार केवल पीआर, होर्डिंग, ब्रान्डिंग और झूठे इवेंट मैनेजमेंट के सहारे चल रही है। सरकार प्रदेश की जनता की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपये विज्ञापन और इवेंट मैनेजमेंट पर पानी की तरह बहाकर जनता को लगातार गुमराह करने का प्रयास कर रही है जबकि प्रदेश के हालात बद से बदतर हो चुके हैं।"प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा रोजगार को लेकर किये गये ट्वीट ने बेरोजगार युवाओं के जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। प्रदेश के युवा योगी सरकार के इस झूठ और फरेब का बदला आने वाले चुनाव में अवश्य लेंगे। उन्होंने कहा, "इतने गंभीर मुद्दे पर समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं किया जाना भी गंभीर सवाल उत्पन्न करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सपा और बसपा का भारतीय जनता पार्टी से अंदरूनी गठजोड़ हो चुका है।" लल्लू ने कहा कि भाजपा झूठे और भ्रामक प्रचार करके और प्रदेश की जनता को लुभावने नारे देकर सत्ता पर काबिज हो गयी। मगर वह अपने किसी भी वादे पर खरी नहीं उतरी। सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए लुभावने नारों और बड़े–बड़े होर्डिंगों के जरिये सरकार की ब्रांडिंग करने में जुटी हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने पांच साल में ७० लाख रोजगार देने का वादा किया था मगर स्वयं मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया है कि सरकार ने अब तक मात्र चार लाख रोजगार ही दिये हैं। सरकार द्वारा निकाली गयी २४ प्रकार की भर्तियों में से २२ भर्तियां अभी तक लंबित हैं।

अयोध्या को वैदिक नगरी के रूप में विकसित करने के सीएम योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या के विकास को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बहुत ज्यादा संजीदा नजर आ रहे हैं। इसीलिए उसके विकास कार्यों की समीक्षा जरूर करते हैं। उन्होंने वहां के समग्र विकास के लिए बनाए गए विजन डॉक्यूमेंट के बाद उसमें कुछ संसोधन करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि साधु–संतो श्रद्धालुओं और अन्य पक्ष विचार कर इसे वैदिक नगरी के रूप में विकसित करें। अब तक शुरू हो चुके विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने छोटे, मध्यम और बड़ी विकास परियोजनाओं को निर्धारित टाइमलाइन में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि अयोध्या नगरी का विकास इस प्रकार किया जाए कि पर्यटकों व श्रद्धालुओं को अयोध्या के पौराणिक व सांस्कृतिक स्वरूप की अनुभूति हो। अयोध्या रिंग रोड के

अलाइनमेंट के संबंध में भी कार्यवाही करने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और स्मार्ट सिटी के कार्यों को भी तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। पंचकोसी, १४ कोसी और ८४ कोसी परिक्रमा मार्गों का विकास करने के साथ ही अच्छे होटलों और धर्मशालाओं के निर्माण को प्रोत्साहित करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्र में अतिथि गृहों व विश्रामालय समेत अन्य संस्थाओं के लिए भी भूमि की व्यवस्था करने, अयोध्या को सोलर सिटी और क्लीन व ग्रीन सिटी के रूप में विकसित करने के अलावा रेलवे व बस स्टेशन सहित अन्य स्थलों पर मल्टी लेवल पार्किं ग केनिर्माण की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभागों के साथ समन्वय बनकार काम को तेजी से करने को कहा है। विकास परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण के मामलों को संवाद के आधार पर जल्द निस्तारित करने को कहा है।

आजम के समर्थन में अखिलेश की साइकिल रैली

रामपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को पार्टी की साइकिल रैली की शुरुआत की। उन्होंने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता और

रामपुर के सांसद आजम खान के समर्थन में साइकिल रैली निकाली। पहले दिन अखिलेश यादव ने रामपुर में ११ किलोमीटर की साइकिल रैली की। समाजवादी पार्टी की यह साइकिल रैली रामपुर से लखनऊ तक जाएगी। गौरतलब है कि आजम खान के ऊपर अनेक मामले दर्ज हुए हैं और वे जेल में बंद हैं। आजम खान के समर्थन में हुई साइकिल रैली में अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार जिस तरह सियासी विरोधियों को जेल भेज रही है, उसी वजह से लोकतंत्र के ग्राफ में भारत नीचे जा रहा है। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेसी इंडेक्स में इसी वजह से भारत की रैंकिंग गिर रही है। सपा अध्यक्ष ने पार्टी के कार्यकताओं के साथ मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से अंबेडकर पार्क तक ११ किलोमीटर तक साइकिल चला कर आंदोलन की शुरुआत की। इस मौके पर सपा अध्यक्ष ने कहा– सबसे ज्यादा अन्याय रामपुर में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं पर हो रहा है। आजम खान, उनके तमाम सहयोगी साथियों पर न जाने कितने मुकदमे लादे हैं और वे आज हमारे बीच नहीं हैं। कहीं न कहीं प्रशासन ने फंसाया है और सरकार के इशारे पर झूठे केस लगे हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद आजम खान की मुसीबत शुरू हुई, उन पर एक सौ से ज्यादा मुकदमे दर्ज हुए। उन्हें भूमाफिया घोषित किया गया। आजम खान के बनवाए जौहर यूनिवर्सिटी की १४ सौ बीघा जमीन सरकार ने जब्त कर ली है। उनके रिसर्ट की दीवार पर बुलडोजर चलवाया गया। एक लाइब्रेरी से कथित तौर पर चोरी की किताबें उनकी यूनिवर्सिटी से बरामद की गईं। इतना ही नहीं, आजम खान पर गाय, भैंस और बकरी चोरी का मुकदमा हुआ। पिछले साल २६ फरवरी को आजम खान, उनकी पत्ध्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्ध्दुल्ध्ला आजम को जेल हो गई। पत्ध्नी तंजीम ११ महीने जेल में रहने के बाद जमानत पर छूटीं हैं, जबकि आजम खान और उनका बेटा एक साल से जेल में हैं। उनके विध ायक बेटे की उम्र को लेकर भी एक मुकदमा दर्ज हुआ है। उनके समर्थन में अखिलेश ने रामपुर में रैली भी की। अखिलेश ने कहा– सरकार सियासी विरोधियों को जेल भेज रही है। उन्ध्होंने कहा– आप सच नहीं बोल सकते। सच बोलेंगे तो जेल भेज दिए जाएंगे। आज कोई आंदोलन करेंगे तो जेल भेज दिए जाओगे। राजनीतिक लोगों पर सबसे ज्ध्यादा अन्ध्याय, झूठे मुकदमे लग रहे हैं तो भारत में लग रहे हैं, इसलिए डेमोक्रेसी के ग्राफ में हम नीचे जा रहे हैं।

थाना समाधान दिवस का आयोजन

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। १३ मार्च २१ को माह के द्वितीय शनिवार को जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी खीरी, शैलेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक खीरी विजय ढुल द्वारा थाना नीमगांव एवं थाना फरधान पर उपस्थित रहकर थाना समाधान दिवसष् की अध्यक्षता की गई। इस दौरान प्राप्त जनशिकायतों की सुनवाई कर त्वरित व निष्पक्ष जांच कराकर समयबद्ध रूप से विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सर्किल मुख्यालय के थानों पर उपस्थित रहकर जनशिकायतों का निस्तारण कराया गया। इस दौरान जनपद के समस्त थानों पर कुल ११५ प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें ५३ प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष प्रकरण के संबंध में टीम गठित कर जांच हेतु मौके पर भेजी गई।

सड़क किनारे धार्मिक प्रकृति की किसी भी संरचना के निर्माण पर रोक, यूपी सरकार का निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सड़कों, गलियों तथा फुटपाथ पर धार्मिक किस्म की कोई संरचना या निर्माण की अनुमति नहीं देने के निर्देश देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि एक जनवरी २०११ और उसके बाद से इस तरह का कोई निर्माण कराया गया है तो उसे फौरन हटा दिया जाए। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि शासन द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि सड़कों (राजमार्गों सहित), गलियों, फुटपाथों, सड़क के किनारों, लेन आदि पर धार्मिक प्रेंति की कोई संरचना निर्माण की अनुमति कतई न दी जाए। उन्होंने कहा कि अगर इस प्रकार की कोई संरचना या निर्माण एक जनवरी २०११ या उसके बाद किया गया हो तो उसे योजना बनाकर संबंधित धार्मिक संरचना के अनुयायियों अथवा इसके प्रबंधन के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा प्रस्तावित निजी भूमि (जो उनके समुदाय की होगी) पर छह माह के भीतर स्थानांतरित कर दिया जाएगा अथवा उसे हटा दिया जाएगा। इस संबंध में प्रदेश के सभी मंडलायुक्त, पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्ध नगर व लखनऊ, समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, उपमहानिरीक्षक, समस्त जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक को निर्देश जारी किया गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि सभी जिला अधिकारी इसकी अनुपालन रिपोर्ट संबंधित प्रमुख सचिव या सचिव को देंगे तथा वह एक विस्तृत ब्योरा अगले दो माह में मुख्य सचिव को सौंपेंगे। यह निर्देश उच्च न्यायालय के आदेश पर जारी किए गए हैं। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि अगर इस आदेश के पालन में कोई भी लापरवाही या अवज्ञा होती है तो इसके लिए संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। इन आदेशों की अवज्ञा जानबूझकर उच्च न्यायालय के आदेशों की अवमानना होगी, जो आपराधिक अवमानना मानी जाएगी।

सोनिया ने यूपी कांग्रेस एससी सेल के पदाधिकारियों की नियुक्ति की

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश में पार्टी के एससी सेल के लिए पदाधिकारी नियुक्त कर दिए। पूर्व सांसद कमल किशोर कमांडो को सेल के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है जिसमें आठ उपाध्यक्ष, १७ महासचिव और १७ सचिव हैं। सेल को अब नए सिरे से दलित अत्याचार के मुद्दे को उठाने की उम्मीद है। साथ ही पार्टी को उम्मीद है कि इस नए पहल से पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के दलित परिवारों तक पहुंचने के प्रयास में और तेजी आ सकती है, जो अत्याचारों के शिकार हुए हैं। नई नियुक्तियों में दो महिला महासचिव–रेणु गौतम और हसमुख कोरी और दो सचिव स्वर्णलता सुमन और संगीत कौशल हैं।

काम करके घर लौट रहे व्यक्ति को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

अयोध्या। जनपद के इनायतनगर थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी हैरिंग्टनगंज क्षेत्र के खजुराहट मिल्कीपुर मार्ग पर पलिया लोहानी पेट्रोल पंप के सामने बिल्डिंग सटरिंग करके खाना खाने के लिये घर को वापस लौट रहे ५० वर्षीय अधेड़ की ट्रक की चपेट में आने से घटनास्थल पर मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पलिया लोहानी निवासी दलित रामसुख पुत्र रामदुलारे (५०) सटरिंग करके खाना खाने के लिये घर लौट रहे थे। खजुरहट मार्ग से मिल्कीपुर की तरफ जा रहे ट्रक की चपेट में आ जाने से घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गयी। मृतक के एक लड़का और एक लड़की हैं और अभी दोनों अविवाहित हैं।

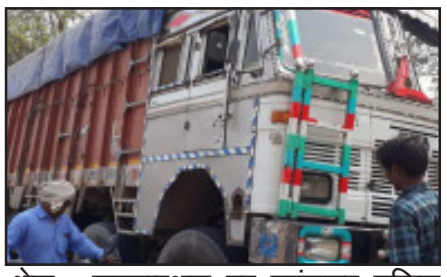

घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। नायब दरोगा आशीष कुमार वर्मा ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है और घटना की जांच करके आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

नेहरू भी याद आए मोदी को!

अहमदाबाद। अगले साल देश की आजादी के ७५ साल पूरे होने के समारोहों की शुरुआत हो गई है। शुक्रवार को आजादी के अमृत महोत्सव की शुरुआत हुई। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित

जवाहरलाल नेहरू भी याद आए। मोदी ने उन्हें आजादी के दूसरे नायकों के साथ याद करते हुए देश का पथ–प्रदर्शक बताया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह के ९१ वर्ष पूरे होने के अवसर पर अहमदाबाद के साबरमती आश्रम में अमृत महोत्सव की शुरुआत करते हुए इसकी वेबसाइट लांच की। प्रधानमंत्री ने दांडी मार्च यात्रा को भी हरी झंडी दिखाई। इस यात्रा में शामिल ८१ लोग ३८६ किलोमीटर की यात्रा कर पांच अप्रैल को दांडी पहुंचेंगे। इस मौके पर मोदी ने अपने भाषण में जवाहरलाल नेहरू का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा– ८५७ का स्वतंत्रता संग्राम, महात्मा गांधी का विदेश से लौटना, लोकमान्य का पूर्ण स्वराज्य का आह्वान, नेता जी का आजाद हिंद फौज का नारा दिल्ली चलो कोई नहीं भूल सकता। उन्होंने आगे कहा– ऐसे कितने ही सेनानी हैं जिनके प्रति देश हर रोज कृतज्ञता व्यक्त करता है। अंग्रेजों के सामने गर्जना करने वाली रानी लक्ष्मी बाई हों, पंडित नेहरू हों, सरदार पटेल हों, ऐसे अनगिनत जननायक आजादी के आंदोलन के पथ प्रदर्शक रहे। प्रधानमंत्री ने देश के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे आजादी की लड़ाई से जुड़ी कहानियां किसी न किसी रूप में लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा– स्कूल, कलेज से आग्रह करूंगा कि वे ७५ घटनाएं तलाशें कि कौन लोग थे जो कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे। जिनका इंटरेस्ट नाटक में है वे नाटक लिखें। शुरू में यह सब हस्तलिखित हो, फिर डिजिटल करें। यह काम १५ अगस्त से पूरा कर लिया जाए। मोदी ने कहा– कला जगत, फिल्म जगत से भी आग्रह करूंगा कि कितनी ही आजादी की कहानियां बिखरी पड़ी हैं उन्हें हमारी आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। मुझे विश्वास है कि १३० करोड़ देशवासी इस महोत्सव से जुड़ेंगे तो भारत बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल करके रहेगा। गौरतलब है कि अगले साल देश की आजादी के ७५ साल पूरे हो जाएंगे। इसी क्रम में ७५ हफ्ते पहले शुक्रवार से अमृत महोत्सव शुरू हुआ। कार्यक्रम में १५ अगस्त २०२२ तक देश के ७५ जगहों पर कई तरह के आयोजन होंगे। इसमें युवा पीढ़ी को १८५७ से १९४७ के बीच चले स्वतंत्रता संग्राम की जानकारी देने, आजादी के ७५ वर्ष में देश के विकास और आजादी के एक सौ वर्ष पूरे होने तक विश्वगुरु भारत की तस्वीर दिखाई जाएगी।

क्वाड बैठक : हिंद–प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपील

नई दिल्ली। हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते वर्चस्व पर नकेल कसने के लिए बने चार देशों के समूह क्वाड की पहली अनलाइन बैठक शुक्रवार को हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बैठक में हिंद–प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपील की। उन्होंने अपने शुरुआती भाषण में कहा कि भारत

के प्राचीन दर्शन वसुधैव कुटुंबकम के विस्तार को वह सकारात्मक नजरिए से देखते हैं, जो पूरी दुनिया को एक परिवार मानता है। उन्होंने कहा– हम परस्पर सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। हम साझा मूल्यों के साथ धर्मनिरपेक्ष, स्थिर और समृद्ध हिंद–प्रशांत क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग बढ़ाएंगे। शुक्रवार को हुई वर्चुअल बैठक में मोदी ने सबसे पहले अपनी बात रखी। उन्होंने कहा– हमारा एजेंडा वैक्सीन, क्लाइमेट चेंज और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को कवर करता है। हम साझा मूल्यों को आगे बढ़ाने, धर्मनिरपेक्ष, स्थिर और समृद्ध इंडो–पैसिफिक के लिए मिल कर काम करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा– मैं इस पॉजिटिव विजन को भारत के प्राचीन दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम के विस्तार के रूप में देखता हूं, जो दुनिया को एक परिवार के रूप में मानता है। बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिडे सुगा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन भी शामिल हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि उनका देश इस क्षेत्र में स्थिरता के लिए क्वाड के सदस्य देशों और क्षेत्र के अन्य सहयोगियों के साथ काम करने को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा– यह समूह विशेष तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह व्यावहारिक समाधानों और ठोस परिणामों पर फोकस करता है। बाइडेन ने कहा– हम एक महत्वाकांक्षी संयुक्त साझेदारी की शुरुआत करने जा रहे हैं, जो वैक्सीन का उत्पादन तेज कर पूरी दुनिया को लाभ पहुंचाएगी। इससे हिंद प्रशांत के पूरे क्षेत्र को टीकाकरण में लाभ होगा। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंद–प्रशांत क्षेत्र २१वीं सदी में दुनिया की किस्मत को तय करेगा। उन्होंने कहा– हम हिंद–प्रशांत क्षेत्र की चार महान लोकतांत्रिक शक्तियां हैं। हम अपनी साझेदारी के जरिए शांति, स्थिरता और समृद्धता को मजबूत करने के साथ क्षेत्र के अन्य देशों को अपने साथ आगे ले जाएंगे।

एक्टिव मरीज अब दो लाख!

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर में फिर से देश भर में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है और साथ ही एक्टिव केसेज में भी बढ़ोतरी होने लगी है। शनिवार को लगातार दूसरे दिन २४ हजार से ज्यादा नए संक्रमित मिले और एक्टिव केसेज की संख्या दो लाख से ज्यादा हो गई है। ढाई महीने के बाद २४ घंटे में मिलने वाले मरीजों की संख्या २४ हजार से ऊपर गई। रिकवरी रेट यानी मरीजों के ठीक होने की दर कई महीनों के बाद ९७ फीसदी से कम हो गई। इस वजह से एक्टिव केसेज की संख्या बढ़ रही है। देर रात तक १५७ लोगों के मरने की खबर आई। हालांकि मृत्यु दर अब भी १.४४ फीसदी पर है। शनिवार को देर रात तक पूरे देश में २४,४३४ नए केसेज आए थे, जिसके बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर एक करोड़ १३ लाख ५८ हजार के करीब पहुंच गई। देश में एक्टिव केसेज की संख्या बढ़ कर दो लाख सात हजार से ऊपर पहुंच गई। शनिवार को देर रात तक २४ घंटे में १५७ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों का आंकड़ा एक लाख ५८ हजार ६४० हो गया। महाराष्ट्र के अलावा कर्नाटक, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, पंजाब और दिल्ली में कोरोना वायरस के नए केसेज में बढ़ोतरी हुई है। पंजाब में २४ घंटे में मिले मरीजों की संख्या डेढ़ हजार से ऊपर पहुंच गई तो दिल्ली में लगातार तीसरे दिन चार सौ से

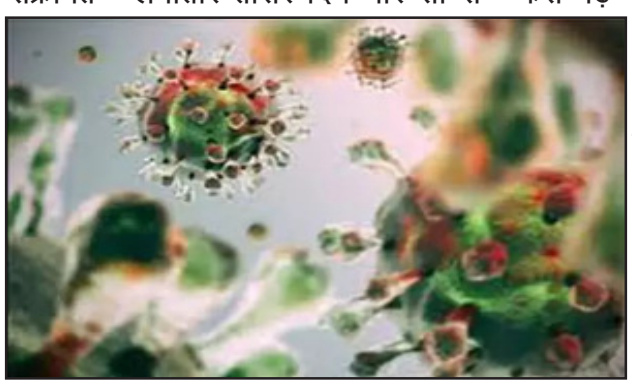

ऊपर केसेज आए। देश के सर्वाधिक संक्रमित राज्य महाराष्ट्र में शनिवार को लगातार दूसरे दिन १५ हजार से ज्यादा नए केसेज मिले। राज्य में १५,६०२ नए मरीज मिले, जिसके बाद राज्य में संक्रमितों की संख्या २२ लाख ६७ हजार ७६३ हो गई। राज्य में ८८ लोगों की मौत भी हुई, जिसके बाद मरने वालों की संख्या ५२,८११ हो गई। शनिवार को महाराष्ट्र में ७,४६७ मरीज ठीक हुए। इस तरह २४ घंटे में आठ हजार के करीब एक्टिव केस बढ़ गए। शनिवार को राज्य में एक्टिव मरीजों की संख्या एक लाख १८ हजार से ज्यादा हो गई। महाराष्ट्र के अलावा सबसे ज्यादा संक्रमण पंजाब में देखने को मिल रहा है। शनिवार को पंजाब में १,५१० नए मामले सामने आए, जबकि ठीक होने वालों की संख्या १,०२४ थी। इस तरह २४ घंटे में राज्य में पांच सौ के करीब एक्टिव केस बढ़ गए। पंजाब में एक्टिव केसेज की संख्या बढ़ कर १०,६१६ हो गई। शनिवार को २४ घंटे में राज्य में २२ लोगों की मौत हुई। शनिवार को केरल में २,०३५ केसेज आए और १२ लोगों की मौत हुई। शनिवार को गुजरात में लगातार तीसरे दिन संक्रमितों की संख्या सात सौ से ऊपर रही। राज्य में ७७५ नए मामले आए, जबकि इसी अवधि में ५७६ लोग इलाज से ठीक हुए। दक्षिण के राज्यों कर्नाटक और तमिलनाडु में संक्रमितों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ। कर्नाटक में शनिवार को संक्रमितों की संख्या नौ सौ ऊपर रही। राज्य में ६२१ नए केसेज आए और ६६२ मरीज ठीक हुए। तमिलनाडु में ६६५ मरीज आए और ५१२ मरीज इलाज से ठीक हुए। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन चार सौ से ज्यादा मरीज आए। राज्य में ४१६ केस आए और ३०२ लोग इलाज से ठीक हुए।

२६ मार्च को भारत बंद करेंगे किसान!

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के बनाए तीन कृषि कानूनों के विरोध में १०५ दिन से आंदोलन कर रहे किसानों ने २६ मार्च को संपूर्ण भारत बंद का आह्वान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा है कि किसान आंदोलन के चार महीने पूरे होने के मौके पर २६ मार्च को पूरे देश में बंद किया जाएगा। संयुक्ष्त किसान मोर्चा के ड. दर्शन पाल की ओर से जारी एक बयान में इस बारे में जानकारी दी गई और साथ ही अगले कुछ दिनों में होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा के बारे में भी बताया गया। इस बयान में कहा गया कि बुधवार को संयुक्ष्त किसान मोर्चा की बैठक में आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। इसमें तय किया गया कि १५ मार्च को कारपोरेट विरोधी दिवस व सरकार विरोधी दिवस मनाया जाएगा, जिसमे डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस और दूसरी जरूरी वस्तुओं के बढ़ रहे दामों के खिलाफ जिले में कलेक्टर और एसडीएम को ज्ञापन देकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उसी दिन देश भर के रेलवे स्टेशनों पर मजदूर संगठनों के साथ निजीकरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा ने बताया कि १७ मार्च को मजदूर संगठनों व अन्य संगठनों के साथ २६ मार्च के प्रस्तावित भारत बंद को सफल बनाने के लिए एक बैठक बुलाई जाएगी। बुधवार को जारी हुए बयान के मुताबिक– १६ मार्च को मुजारा लहर का दिन मनाया जाएगा और भारतीय खाद्य निगम यानी एफसीआई और खेती बचाओ कार्यक्रम के तहत देश भर की मंडियों में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों ने तय किया कि २३ मार्च को शहीद भगत सिंह के शहीदी दिवस पर देश भर के नौजवान दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के धरनों पर शामिल होंगे। गौरतलब है कि २६ मार्च को इस आंदोलन के चार महीने परे हो रहे हैं। उस दिन भारत बंद की अपील की गई है।

भाजपा का मालिक एक!

हरिशंकर व्यास

वक्त का कमाल है जो भाजपा को तनिक भी भान नहीं है कि वह अब क्या है? छह सालों में उसका

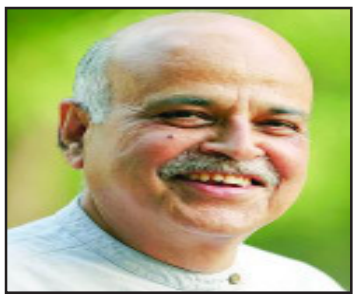

क्या हो गया है। यों आजाद भारत के इतिहास में उत्तरोत्तर सत्ता और सत्ता के वैभव की चकाचौंध वाला वक्त बार–बार अनुभव हुआ है। नेहरू या इंदिरा राज का अनुभव कोई ज्यादा पुराना नहीं है। कांग्रेस जैसी सर्वव्यापी पार्टी का क्रमशः नेहरू और इंदिरा की एकल लीडरशीप में जैसे परिवर्तन हुआ था उसे जनसंघ और भाजपा नेताओं ने अपनी आंखों देखा है। तभी हैरानी वाली बात है जो संघ परिवार याकि हिंदुवादी राजनीति एक ही नेता याकि नरेंद्र मोदी की अकेली उंगली पर आश्रित हो जाने, बंध जाने पर भी इस अहसास में नहीं है कि छह सालों में पार्टी का क्या हुआ? और मोदी के बाद भाजपा का क्या होगा? हां, इंदिरा गांधी के राज में भी मुख्यमंत्री बनते और हटते थे। लेकिन पार्टी, हाईकमान और पदाधिकारियों से सलाह–मशविरे के साथ। क्या वैसा कुछ उत्तराखंड में त्रिवेंद्र सिंह को बनाने, हटाने या तीरथ सिंह को सत्ता पर बैठाने जैसे फैसलों में था? उत्तराखंड के ही नारायण दत्त तिवारी का उदाहरण है। इंदिरा गांधी–संजय गांधी–राजीव गांधी, नरसिंह राव, मनमोहन सिंह

के पचास–साठ साल के लंबे वक्त में नारायण दत्त तिवारी का ग्राफ बतौर नेता चढ़ा तो कई बार गिरा भी। लेकिन पार्टी में, कांग्रेस में उन्हें राजनीति का मौका लगातार मिला रहा। उनका कांग्रेस में वैसा हश्र सोचा भी नहीं जा सकता था जैसा गुजरात में नरेंद्र मोदी के राज के दौरान केशुभाई पटेल सहित तमाम बड़े भाजपा नेताओं के साथ हुआ या जैसा उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद आडवाणी, डॉ. जोशी आदि का हुआ है। सवाल है नरेंद्र मोदी को जिस पार्टी ने बनाया उसका मोदीकरण करने से उन्हें क्या फायदा? क्या उन्हें यह समझ नहीं आया हुआ है कि गुजरात में ही जमीनी नेताओं को खत्म करने से हर चुनाव अकेले उन पर आश्रित हो गया है? क्या वहां विजय रूपाणी चुनाव जीता सकते हैं? ऐसे ही तमाम प्रदेशों का मामला है। असम में भाजपा अपने मुख्यमंत्री सोनोवाल को वापिस सीएम बनाने की घोषणा कर चुनाव नहीं लड़ रही है। तथ्य है कि भाजपा में आडवाणी काल के येदियुरप्पा, शिवराज सिंह, वसुंधरा राजे, रमन सिंह आज भी आधार लिए नेता है। इनके चेहरे से चुनाव लड़ा जा सकता है। मगर क्या सोनोवाल, मनोहर लाल खट्टर, जयराम ठाकुर, देवेंद्र फड़नवीस याकि नरेंद्र मोदी–अमित शाह के बैठाए मुख्यमंत्रियों में अपने बूते चुनाव जीतने की राजनीति, वोट जुटाने का भाजपा में फैसला संभव है? तभी तय मानें पार्टी सौ टका नरेंद्र मोदी पर निर्भर है। वे ही मालिक हैं, कर्ता हैं और उन्हीं से भाजपा का भविष्य बंधा हुआ है। तभी भाजपा, संघ, हिंदुवादी राजनीति का आने वाले सालों, दशकों में क्या हाल होगा, इसकी कल्पना मुश्किल नहीं है।

अब सोनिया गांधी को भी नहीं बख्श रहे कांग्रेसी!

शकील अख़्तर

सन् १९७७ की याद आ रही है! कांग्रेस की हार के बाद या कहना चाहिए इंदिरा गांधी की हार के बाद ज्यादातर कांग्रेसी घर बैठ गए थे। हवा भांप रहे थे। जब इन्दिराजी गिरफ्तार हुईं तब भी अपने चबूतरे से नहीं हिले। भनक लेते रहे कि क्या प्रतिक्रिया है। जब १९८० में पूरा इत्मिनान हो

गया। इंदिराजी बेलछी हो आईं, तब हिले। आज भी वही हो रहा है। या तो प्रधानमंत्री मोदी की तरफदोस्ती के पैगाम पहुंचाए जा रहे हैं या घर बैठा जा रहा है। कांग्रेसी होंगे कभी वीर, बहादुर, अंग्रेजों से लड़ते हुए। आज तो सबसे डरे हुए दिखाई दे रहे हैं। फेंस पर बैठे हैं। दोनों तरफ ताक झांक करते रहते हैं। किधर कूदना है! कहां फायदा है? बड़े बड़े कांग्रेसी नेता पूछ रहे हैं, क्या टूट जाएगी? क्या असंतुष्टों का कांग्रेस मुख्यालय, २४ अकबर रोड पर कब्जा करवा दिया जाएगा? क्या राहुल गांधी को पार्टी से निष्कासित भी कर सकते हैं ? इन्दिरा गांधी को किया ही था १९६९ में। तब प्रेस (जो आज मीडिया कहलाता है) और दूसरी संस्थाएं जिन्दा थीं। आज तो कहानी ही बदल जाएगी। और बदल क्या जाएगी जो कहेंगे वह बना दी जाएगी! इन्दिरा गांधी ने हिम्मत दिखाई थी। दोनों मोर्चों पर, अंदरूनी और बाहरी दोनों लड़ाईयां लड़ीं। राहुल बाहर तो लड़ रहे हैं मगर अंदर साहस नहीं दिखा पा रहे। न ही पार्टी में उनके आदमी कहलाने वाले लोग। जिन लोगों के लिए राहुल पर आरोप लगे कि इन्हें बढ़ाया जा रहा है, वे भी असंतुष्टों के मोदी प्रेम और राहुल विरोध पर चुप हैं। यह अलग तरह की राजनीति हो रही है, जहां ज्यादातर नेता एक ही तरफ भागे चले जा रहे हैं और विपक्ष में राजनीतिक शून्य पैदा होता जा रहा है। पाँच राज्यों के चुनाव सिर पर हैं। मगर ग्रुप २३ से चलकर फिलहाल ७ पर आ गए असुंष्ट नेता किसी चुनाव वाले राज्य में नहीं गए। दिल्ली से बैठकर ही बंगाल के चुनावी गठबंधनों पर सवाल उठा रहे हैं। किसानों का समर्थन, चुनाव वाले राज्यों में जाने पर कह रहे हैं कि हमें किसी ने कहा नहीं। अच्छा! तो जम्मू जाने के लिए किसने कहा था? वहां सम्मेलन किस से पूछकर हुआ था? वहां गुलामनबी आजाद ने किसी बात के लिए चाहे खुद उन्हें राज्यसभा में विपक्ष का नेता बनाने, मुख्यमंत्री बनाने, यूपीए में मंत्री बनाने, उसके बाद कांग्रेस महासचिव बनाकर यूपी जैसे सबसे बड़े और महत्वपूर्ण राज्य का प्रभारी बनाने के लिए अपने किसी नेता का नाम नहीं लिया। सोनिया गांधी जैसी नेता का भी नहीं जिनकी उदारता ने आजाद को उंची से उंची पोस्ट दी। राहुल से नाराजगी चलो मान लेते हैं कि उन्होंने खरा सच बोल दिया था कि जब मैं (अध्यक्ष के तौर पर) संघ और भाजपा से लड़ रहा था तो मेरे साथ कोई नहीं था। मगर सोनिया जिन्होंने कभी कोई शिकायत नहीं की उनके साथ भी क्रूर व्यवहार समझ से परे हैं। माना जाता था कि सत्ता की वापसी के बाद आजाद को और भी ज्यादा महत्व मिलेगा। अहमद पटेल के असामायिक निधन के बाद आजाद कांग्रेस के एकमात्र बड़े मुस्लिम फेस रह गए थे। उन्हें राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति तो बनाया ही जाता। मगर दीवार पर लिखी भूत और भविष्य की इस इबारत को पूरी तरह अनदेखा करके उन्होंने सोनिया के लिए भी अपनत्व का एक शब्द नहीं बोला। बोला सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के लिए! उनकी स्तुति करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस के नेताओं के प्रशस्ति गान को सुनकर कई बार भाजपा के नेताओं को भी टेंशन हो जाता है कि बिना प्रसंग के इतना तो हम

भी नहीं बोल पाते। प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ में कोई बुराई नहीं हैं। देश के प्रधानमंत्री हैं। मगर किसी उम्मीद में करना और कैरम की तरह रिबाऊंड शाट मारना कि उनकी प्रशंसा के साथ अपने नेताओं की आलोचना भी हो जाए तो वह कोई बड़प्पन की निशानी नहीं है। भाजपा में ऐसे कितने ही नेता हैं जो अपने नेता मोदी की प्रसंसा करते हैं मगर यह भी मानते हैं कि सोनिया गांधी में उदारता, बड़प्पन, क्षमाभाव जैसे कई बड़े गुण हैं। सोनिया की भलाइयों को इन दिनों अगर कोई भूला है तो वे कांग्रेस के नेता। वे यह भी भूल गए कि उनके कहने से ही वे दोबारा कांग्रेस अध्यक्ष का कांटों का ताज पहनने को तैयार हुईं थी। और अब फिर उन्होंने इन्हीं असंतुष्टों के साथ बैठक में और सीडब्ल्यूसी में कह दिया है कि पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव हो जाएंगे। जिसे लड़ना है लड़ सकता है। कांग्रेस में हमेशा ही अध्यक्ष के चुनाव होते रहे हैं। बड़े बड़े नेता जीतते और हारते रहे हैं। खुद सोनिया गांधी को राजीव गांधी के सबसे विश्वासपात्र लोगों से अध्यक्ष पद के चुनाव में चुनौती मिली है। राजीव के राजनीतिक सचिव जितेन्द्र प्रसाद सोनिया के खिलाफ चुनाव लड़े। और इसके बाद भी सोनिया के मन में कभी कटुता नहीं आई। जितेन्द्र प्रसाद के न रहने के बाद उनके बेटे और पत्नी को राजनीति में लगातार मौके दिए। पत्नी कांता प्रसाद को लोकसभा का टिकट दिया। जितिन प्रसाद को यूपीए में मंत्री बनाया। जी २३ में शामिल होकर सोनिया के अस्पताल में भर्ती रहने के समय उन्हें पत्र लिखकर पार्टी पर सवाल उठाने के बावजूद सोनिया ने जितिन को महासचिव बनाकर चुनाव वाले राज्य प. बंगाल का प्रभारी बनाया। मगर उनकी यह सब कोशिशें कांग्रेसियों के असंतोष को दूर नहीं कर पा रहीं। कोई बड़ा बैट्समेन जब अपनी आखिरी पारी खेल रहा होता है तो विपक्षी बालर भी उसका सम्मान करते हैं। मगर यहां सोनिया की लास्ट इनिंग में तो खुद उनकी टीम के लोग उन्हें रन आउट करवाने के चक्कर में लगे हुए हैं। अगर इन लोगों को राहुल से दिक्कत है तो फिर सोनिया के प्रति यह निर्मम व्यवहार क्यों? क्या सोनिया ऐसी अपमानजनक विदाई की हकदार हैं? राजीव गांधी की हत्या के बाद यही कांग्रेसी हजार मिन्नतें करके सोनिया को राजनीति में लाए थे। यही २००४ के बाद से राहुल कोई पद संभाले की रट लगाए थे। तब भी राहुल ने क्रम से चला। पहले महासचिव बने। फिर अध्यक्ष। जैसे सोनिया ने प्रधानमंत्री की कुर्सी स्वीकार नहीं की ऐसे ही राहुल ने यूपीए सरकार में कुछ नहीं लिया। अध्यक्ष बने तो दो साल में वह भी छोड़ दिया। कहा कि कोई गैर नेहरू गांधी अध्यक्ष चुन लीजिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कोशिश भी बहुत की। कई फार्मूले बनाए। मगर एकमत नहीं हो पाए। हारकर सोनिया के पास गए कि आप ही बन जाइए। सोनिया गांधी दूसरी बार अपने मन के खिलाफ इन कांग्रेसियों के लिए राजनीति के इस दलदल में कूदीं। और अब जब उनका स्वास्थ्य साथ नहीं दे रहा है तो कांग्रेस के नेता उन्हें मानसिक प्रताड़ना भी देने लगे। सोनिया अब सिर्फ दो तीन महीने के लिए अध्यक्ष हैं। जून में नए चुनाव होने तक मगर अफसोस कि कांग्रेसी इतना भी इंतजार नहीं कर पा रहे। जून से पहले ही वह फैसला करना चाह रहे हैं। और फैसला भी पार्टी के अंदर नहीं पार्टी को खत्म करने का बीड़ा उठाए प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेता के साथ मिलकर। मोदी जी ने कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया था। उसका असली मतलब कांग्रेस को नेहरू गांधी परिवार से मुक्त करना है। कांग्रेस के असंतुष्ट नेता इसी में सहयोग कर रहे हैं। वे कितना कामयाब होंगे, मोदी जी उनकी उपयोगिता के आधार उनकी कितनी मदद करेंगे निकट भविष्य में यह सब देखना बहुत दिलचस्प रहेगा!

तृणमूल में शामिल हुए यशवंत सिन्हा

कोलकाता। सक्रिय राजनीति से दूर हो चुके भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे यशवंत सिन्हा तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में यशवंत सिन्हा ने शनिवार को ममता बनर्जी की पार्टी का दामन थाम लिया। उन्होंने इस मौके पर ममता की जम कर तारीफ की और भाजपा के ऊपर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि देश के सारे मूल्य और सिद्धांत खतरे में हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सभी संस्थाओं को व्यवस्थागत तरीके से कमजोर किया जा रहा है। पिछले कुछ समय से तृणमूल कांग्रेस के नेता बारी–बारी से भाजपा में शामिल हो रहे थे। इस बीच यशवंत सिन्हा का तृणमूल में शामिल होना बड़ी घटना है। चुनाव से ऐन पहले उनके तृणमूल में शामिल होने से राज्य में सत्तारूढ़ दल को माहौल बदलने में मदद मिलेगी। तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के मौके पर यशवंत सिन्हा ने पिछले दिनों ममता बनर्जी पर हुए कथित हमले का जिक्र किया और कहा– ममता जी पर हमला अहम मोड़ था। यही फैसले का वक्त था कि मैं टीएमसी ज्वाइन करूं और ममता जी को सपोर्ट करूं। पूर्व आईएएस अधिकारी यशवंत सिन्हा नब्बे के दशक में राजनीति में उतरे थे और चंद्रशेखर की सरकार में पहली बार मंत्री बने थे। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में उन्होंने वित्त और विदेश मंत्री की भूमिका निभाई थी। भाजपा के मौजूदा

नेतृत्व से मतभेदों के चलते २०१८ में उन्होंने पार्टी छोड़ दी। उनके बेटे जयंत सिन्हा झारखंड के हजारीबाग से भाजपा के लोकसभा सदस्य हैं। और नरेंद्र मोदी की पिछली सरकार में मंत्री थे। ममता की तारीफ करते हुए यशवंत सिन्हा ने कहा कि जब एयर इंडिया का विमान अगवा हुआ था और आतंकवादी उसे कंधार ले गए थे तो ममता बनर्जी ने कैबिनेट की बैठक में कहा था कि यात्रियों की रिहाई के बदले खुद बंधक बनने को तैयार हैं। तृणमूल में शामिल होने के मौके पर सिन्हा ने कहा– देश अजीब परिस्थिति से गुजर रहा है, हमारे मूल्य और सिद्धांत खतरे में हैं। उन्होंने कहा– लोकतंत्र की मजबूती संस्थाओ में निहित है और सभी संस्थाओं को व्यवस्थागत तरीके से कमजोर किया जा रहा है। ८३ साल के यशवंत सिन्हा ने भाजपा के खिलाफ लड़ाई में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन करने की शपथ ली। तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा में नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा– हम अपनी पार्टी में यशवंत सिन्हा का स्वागत करते हैं। उनकी हिस्सेदारी से चुनाव में भाजपा के खिलाफ हमारी लड़ाई और मजबूत होगी। यशवंत सिन्हा ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा– देश आज एक अप्रत्याशित स्थिति का सामना कर रहा है। किसी भी लोकतंत्र की ताकत उसकी लोकतांत्रिक संस्था में होती है। लेकिन अब न्यायपालिका सहित देश की सभी संस्थाएं कमजोर हो चुकी हैं। उन्होंने कहा– अटल जी के वक्त में बीजेपी जनसंदेश में विश्वास करती थी। लेकिन आज की सरकार जनता को कुचलने और राज करने में भरोसा करती है। उन्होंने यह भी कहा कि सहयोगी पार्टियां तेजी से भाजपा का साथ छोड़ रही हैं।

अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान

नई दिल्ली। श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने इस साल अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इस साल २८ जून से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी और २२ अगस्त चलेगी। ध्यान रहे पिछले साल कोरोना वायरस की महामारी की वजह से आम लोग अमरनाथ की पवित्र गुफा के दर्शन के लिए नहीं जा पाए थे। इस बार कोरोना वायरस के प्रोटोकॉल के साथ २८ जून से अमरनाथ की पवित्र गुफा की यात्रा शुरू होगी और ५६ दिन चलने के बाद २२ अगस्त को पूरी होगी। यात्रा के लिए एक अप्रैल से पंजीयन शुरू होगा। पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक और यस बैंक की देश भर में मौजूद ४४६ शाखाओं में पंजीयन करवाया जा सकता है। श्राइन बोर्ड की शनिवार को हुई बैठक में यात्रा की तारीखों और रजिस्ट्रेशन का फैसला हुआ। इसके मुताबिक आषाढ़ चतुर्थी से लेकर रक्षा बंधन तक श्रद्धालु बाबा अमरनाथ के दर्शन कर सकेंगे। जानकार सूत्रों के मुताबिक इस बार यात्रा सिर्फ बालटाल रूट से कराई जा सकती है। यात्रा का पारंपरिक रास्ता पहलगाम, चंदनवाड़ी, शेषनाग, पंचतरणी से होकर जाता है। श्री अमरनाथ

श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष और उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को राजभवन में बोर्ड सदस्यों की बैठक की। इसमें यात्रा के शिड्यूल के साथ ही कई जरूरी मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें तय हुआ कि कई राज्यों में कोरोना संक्रमण की वापसी के कारण यात्रा के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराया जाएगा। बैठक में श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने पुजारियों का वतेन एक हजार से बढ़ा कर डेढ़ हजार रुपए रोजाना करने का फैसला किया।

वझे को नही मिली जमानत

मुंबई। देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर से थोड़ी दूरी पर विस्फोटक से भरी स्कर्पियो गाड़ी मिलने के विवाद में घिरे पुलिस अधिकारी सचिन वझे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सचिन वझे की अग्रिम जमानत की याचिका ठाणे की सेशन कोर्ट खारिज कर दी है। अदालत ने शनिवार को कहा कि पहली नजर में उनके खिलाफ कुछ सबूत मिले हैं। इस बीच वझे का एक व्हाट्सऐप स्टैटस वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि अब दुनिया को अलविदा कहने का वक्त आ गया है। गौरतलब है कि मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर से बरामद हुई स्कर्पियो कार के मालिक मनसुख हिरेन की मौत के मामले में वझे पर आरोप लगे हैं। महाराष्ट्र के गृह विभाग के आदेश पर मुंबई पुलिस के सचिन वझे को क्राइम ब्रांच से हटा दिया गया। उन्हें नागरिक सुविधा केंद्र में भेजा गया है। पिछले दिनों महाराष्ट्र एटीएस ने स्कॉर्पियो मालिक की मौत के मामले में वझे से १० घंटे तक पूछताछ की थी। उसके बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए वझे ने शुक्रवार को अग्रिम जमानत की याचिका दायर की थी। मामले की अगली सुनवाई १६ मार्च को होगी। गौरतलब है कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने वझे को गिरफ्तार करने की मांग की है। इनकाउंटर स्पेशलिस्ट रहे वझे का जो स्टैट्स वायरल हुआ है उसमें उन्होंने लिखा– तीन ३ मार्च २००४ को, सीआईडी में मेरे सहयोगियों ने मुझे झूठे आरोप में गिरफ्तार किया था। वह मामला अभी भी क्लियर नहीं हुआ है, लेकिन अब इतिहास खुद को दोहरा रहा है। मेरे सहकर्मी अब मेरे लिए फिर से एक जाल बिछा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा है– बचने की कोई उम्मीद नहीं। यह दुनिया को अलविदा कहने का समय है। हालांकि बाद में यह स्टैट्स दिखना बंद हो गया। बताया जा रहा है कि अधिकारियों के कहने पर वझे ने इसे हटा दिया।

बंगाल में टिकैत की महापंचायत

कोलकाता। केंद्र सरकार के बनाए तीन केंद्रीय कानूनों के विरोध में चल रहा किसान आंदोलन पश्चिम बंगाल पहुंच गया है। आंदोलन के नेता और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने शनिवार को बंगाल में कई जगहों पर किसान पंचायत की। उन्होंने बंगाल के किसानों से भाजपा को एक भी वोट नहीं करने की अपील की। उन्होंने ममता के पुराने चुनाव क्षेत्र भबानीपुर और नए चुनाव क्षेत्र नंदीग्राम में किसानों की महापंचायत को संबोधित किया। टिकैत ने किसान महापंचायत में किसानों से भाजपा को हराने की अपील की। उन्होंने कहा– आप भाजपा को वोट मत दीजिए, भले चाहे किसी और पार्टी को दे दीजिए। हम यहां क्रांतिकारियों की धरती से अपनी लड़ाई आगे बढ़ाने आए हैं। जब तक कानून वापसी नहीं, तब तक घर वापसी नहीं। टिकैत ने कहा– पूरी सरकार दिल्ली छोड़ कर बंगाल में चुनाव प्रचार करने में व्यस्त है। इसलिए हमारे सारे नेता भी यहां पहुंच गए हैं। केंद्रीय कानूनों कि विरोध में चल रहे किसान आंदोलन का नेतृत्व कर रहे टिकैत ने केंद्र सरकार को निशाना बनाते

हुए कहा– सरकार किसानों से बात नहीं कर रही। हम आंदोलन आठ महीने और चलाने के लिए भी तैयार हैं। जब सरकार आंदोलन वापस नहीं ले लेती, हमारा आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां जाएंगे, हम उन्हें फलो करेंगे। टिकैत ने पहली पंचायत भबानीपुर में की और उसके बाद वे शाम को नंदीग्राम पहुंचे। राकेश टिकैत रविवार को सिंगूर और आसनसोल में भी किसान महापंचायत करेंगे। गौरतलब है कि किसान आंदोलन का नेतृत्व कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा ने भी केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को हराने की अपील की है। संयुक्त किसान मोर्चा ने शुक्रवार को कहा– हम बंगाल के किसानों से अपील करते हैं कि वे भाजपा का बहिष्कार करें और उसे वोट न दें। चुनाव में करारी हार के बाद भाजपा सरकार ेषि कानून वापस लेना ही पड़ेगा। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता योगेंद्र यादव ने कहा– हम किसी पार्टी का समर्थन नहीं कर रहे हैं और न ही लोगों से किसी पार्टी को वोट देने के लिए कह रहे हैं। हमारा मकसद है कि भाजपा को सबक सिखाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार के कानों तक किसानों ती बात पहुंचाने के लिए जरूरी है कि आगामी चुनाव में उसका नुकसान किया जाए।

मंडी समिति को जाने वाला मार्ग बाधित

सिंगाही खीरी। तहसील निघासन ग्राम पंचायत सिधौना के मजरा फुटहा फार्म व चनैनी फार्म के बीच तिकुनियां समिति मंडी को जाने वाला मार्ग बाधित हुआ। इस पुलिया को टूटे हुए लगभग ५ महीने बीत चुके हैं लेकिन अभी तक शासन प्रशासन मौन है, गेहूं की कटाई कुछ ही दिन बाकी हैं।तिकोनिया समिति मंडी को क्षेत्रीय किसानों को अपने गेहूं की फसल लेकर जाने के लिए भारी समस्या से जूझना पड़ सकता है।पुलिया को टूटे हुए लगभग ५ महीने बीत चुके हैं।भारी वाहन का मार्ग बाधित हुआ भारी वाहन निकालने वाले राहगीरों को भी जूझना पड़ सकता है इस समस्या से,आपको बता दें कुछ ही दिन बाकी हैं गेहूं की कटाई नजदीक है जहां क्षेत्रीय किसानों को इस टूटी पुलिया की समस्या का सामना करना पड़ सकता है वही कंबाइन हार्वेस्टर गेहूं काटने वाली मशीन पुलिया पार गेहूं की फसल काटने की समस्या होगी,किसानों को भी परेशान होना पड़ सकता है।आसपास के गांव में गेहूं की कटाई करने के लिए इसी पुलिया से निकलकर जाना पड़ता है, इस पुलिया से वापस घूम कर दूसरे मार्ग से लोग भारी वाहन लेकर जाते हैं जिसके कारण राहगीरों को वह चित्र वासियों को काफी दूरी आसपास के गांव से निकलकर तिकोनिया जाना पड़ता है, मोटरसाइकिल ट्रैक्टर निकलने का रास्ता तो सही है अभी।लेकिन भारी वाहन इस पुलिया से नहीं निकल सकता समस्या से सभी क्षेत्रवासियों व राहगीरों किसानों बहुत दिनों से समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

अद्भुत नदी : डावकी नदी

अमरेन्द्र सहाय अमर आज भारत ही नही अधिकतर देशो की नदियाँ प्रदूषित हो रही है. नदियों, झीलों, तालाबो और पोखरों के प्रदूषित होने का कारण सिर्फ हम हैं. नदियों की बात छोड़ दें समुद्र और अन्तरिक्ष को भी इंसान ही प्रदूषित कर रहा है. अपने स्वार्थ के कारण नदियों ऐसी नदी के बारे में आपको जानकारी देने जा रहे है, जिसके बारे में पढ़ कर आपको सुकून मिलेगा. मेघालय राज्य में एक ऐसी नदी है जिसे सबसे स्वच्छ नदी का दर्जा मिला हुआ है. इस नदी पर नाव पर सवारी करने पर ऐसा लगता है मानो आपकी नाव कांच पर चल नदी है ? इस नदी की तस्वीरों ने लोगों को बहुत आकर्षित किया. यह डावकी नदी भारत बांग्ला देश के बार्डर पर स्थित एशिया के सबसे स्वच्छ गाँव मायलननोंग के पास है. यह बांग्ला देश में बहने से पहले जयन्तिया और खासी हिल्स के बीच से गुजरती है. यह नदी इतनी साफ अपना चेहरा देख सकते है वर्ष २००३ में मायलननोंग को गाड्स आन गार्डन का दर्जा मिला था. यहाँ नदी की साफ सफाई के अलावा एक और चीज आकर्षित करने वालीहै, वह यह कि इस गाँव की साक्षरता शत प्रतिशत है. इस गाँव में कोई अनपढ़ नही है. इस पानी की गिरने वाली आवाज अच्छी तरह सुना जा सकता है. यहाँ का वातावरण माह नवम्बर से अप्रैल तक समय पर्यटन की दृष्टि बहुत अच्छा होता है , इस नदी में बहुत अधिक संख्या में मछलियाँ पाई जाते है. सर्दी के दिनों में यह नदी बहुत सुन्दर और साफ हो जाते है . यः

में कल कारखानों के प्रदूषित पानी, नगरो के सीवर लाइन की गंदगियाँ, प्लास्टिक और कूड़े, कचरे खूब डाले जा रहे है. गंगा, यमुना सहित देश की तमाम नदियों की सफाई के लिए अभियान चलाया जा रहा है. इन पर अच्छा खासा धन व्यय हो रहा है. लेकिन हम आज एक रही है. इस नदी का नाम है उमनगोत. लेकिन यह डावकी नदी के नाम से प्रसिद्ध है. जब पर्यटको ने इस नदी में नाव से यात्रा की तो उसकी तस्वीरे सोशल मीडिया पर डाला. इसके बाद इस डावकी नदी चर्चा में आई. लोगों में यह चर्चा होने लगी कि यह आखिर कौन सी और स्वच्छ है इस नदी में चलने वाली नाव एकदम साफ साफ पानी पर तैरता हुआ दिखता है. आप नाव से इस नदी के तली में पाए जाने वाले पत्थरों तथा दूसरी वस्तुओं को भी साफ साफ देख सकते हैं . यह नदी इतनी साफ और पारदर्शी है कि आप इसमें गाँव के लोग नियमित रूप से इस नदी की सफाई करते रहते हैं. इस नदी के आस पास के नजारे सुन्दर और अद्भुत हैं. यहा पक्षियों के कलरव के साथ नदी पर पड़ती सूरज की किरने अद्भुत दृश्य उत्पन्न करते है . यहाँ का वातावरण इतना अच्छा रहता है आस पास आने वाले सभी पर्यटकों को स्पष्ट रूप से बताया जाता है कि यहाँ किसी तरह की गंदगी ना फेलायर अगर वे ऐसा करते है तो उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगा. यहाँ के लोग स्वयं नदी, गाँव और अपने आस पास की स्वच्छता का ख्याल रखते हैं।

महिला हेल्प लाइन के संबंध में छात्राओं को किया गया जागरूक

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी १३ मार्च २०२१। मिशन शक्ति के अंतर्गत अबुल कलाम गर्ल्स इंटर कलेज में बालिकाओं एवं विद्यालय के स्टाफ को सुरक्षा एवं आत्म सुरक्षा करने व महिला हैल्प लाइन नम्बर के संबंध में जागरूक किया गया है । ज्ञात हो महिला थाना के थानाध्यक्ष छोटेलाल व महिला कल्याण विभाग के काउंसलर कय्यूम अली जरवानी द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत अबुल कलाम गर्ल्स इंटर कलेज की छात्राओं एवं महिला कर्मचारियों अध्यापिका को जागरूक करने का साथ वोमेन हेल्पलाइन नंबर १०६० ,महिला हेल्पलाइन नंबर १८१ ,पुलिस हेल्पलाइन नंबर ११२ ,के बारे में बताया महिला थाना थानाध्यक्ष छोटेलाल द्वारा छात्राओं अध्यापकों को अपना सी. यू. जी.मोबाईल नम्बर दिया और यह बताया कि उन्हें कभी भी किसी तरीके की पुलिस सहायता की अगर जरूरत होती है तो वह फोन करके अपनी समस्या बता कर पुलिस सहायता ले सकती हैं ।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य एवं समस्त समस्त अध्यापक और महिला आरक्षी नीलम सांगवान आदि एवं महिला आरक्षी उपस्थित रही महिला आरक्षी नीलम सांगवान ने भी पुलिस की भूमिका के बारे मे बताया है कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना , बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ योजना के बारे मे भी बताया गया है।

चौमुखी विकास के बड़े-बड़े दावे ठोकने लगे प्रत्याशी

कृष्ण कुमार शुक्ला

निघासन–खीरी। ब्लाक निघासन के अंतर्गत लगने वाली पांच दर्जन से अधिक पंचायतों में अब प्रधान पद के दावेदार जनता के बीच पहुंच पंचायत के चौमुखी विकास के बड़े–बड़े दावे ठोकने लगे कोई गांव में स्कूल तो कोई पंचायत में सड़क तो कोई बारात घर तो कोई खेल का मैदान तो कोई ग्राम समाज की जमीन पर कब्जे दारी हटवाने की बड़ी–बड़ी बातें करते नहीं थक रहे। वहीं वर्तमान प्रधान पंचायत में किए गए ५ वर्षों के कार्यो को गिनाते देखे जा रहे हैं, जनता के मुताबिक बीडीसी लड़ने की ताल ठोकने वाले उम्मीदवार भी जनता के बीच पहुंच विकास के सपने दिखाने आरंभ कर चुके हैं। वही जनता के मुताबिक चुनाव जीत जाने के पहले तक प्रधानी दावेदार घोषणा का अंबार लगा देते, चुनाव जीतने के बाद फिर कोई झांकने तक नही आता। प्रधानी पद के दावेदार चाहे जितनी भी बड़ी बड़ी बातें कर ले कि पंचायत में बिजली, पानी, खड़ंजा, नाली– नापदानों, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवासों सहित अन्य सरकारी योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभों को पात्रों तक पहुंचाएंगे और जनता के बीच पहुंच कर अपनी– अपनी पौ बारह करने में लगे हुए हैं, किन्तु जनता भी सब कुछ जानते हुए अनजान बनी जो भी दावेदार दरवाजे जाता उसे प्रधान बनने का सपना दिखा उनकी हौसला अफजाई कर उनकी वाहवाही करते नहीं थकती, जबकि हकीकत कुछ और ही है यह बात भी जनता में जोरों पर है अभी तो सभी प्रधान है ऐसा भी दबी जुबान से ग्रामीण कह देते हैं। चुनाव होने के बाद प्रधानी का शहरा किसके ऊपर बंधेगा ये तो वक्त ही बताएगा। खैर जो भी हो लेकिन घरों में पड़े बुजुर्गों के हाल–चाल लेने दर्जनों प्रधानी पद व बी ड़ी सी पद के दावेदार पहुंच रहे हैं, जिससे उनका भी समय बेहतर पास हो रहा है और तन्हाई भी काफी कम सता रही है। जो भी हो काकी, दादा, अम्मा पांव लागी की आवाजें अब गलियों में गूंजने लगी आने वाले समय में तस्वीर और भी साफ होगी फिलहाल पंचायतों में रौनक अब त्रिस्तरीय चुनाव को लेकर बढ़ने लगी है शेष जनता का जो काम है वह समय पर करेगी जनता की बात जनता जाने। फिलहाल चुनावी दंगल में प्रत्याशियों की होड़ जारी हो चुकी है, देखना यह है कि जनता की नजरों में खरा कौन उतरता है।

चोरी की १५ मोटर साइकिल सहित दो गिरफ्तार

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। अवैध क्रिया कलापों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत १३ मार्च २०२१ को थाना निघासन पुलिस द्वारा रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर दो अभियुक्तों हुसनैन व इम्तियाज को एक चोरी की मोटरसाइकिल, दो अवैध तमंचा ३१५ बोर व दो जिन्दा कारतूस सहित ग्राम लखनियापुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की निशानदेही पर १४ अन्य चोरी की मोटरसाइकिलों को हुसनैन के घर ग्राम लखनियारपुर से बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी है जिनके विरुद्ध पूर्व से थाना निघासन पर चोरी, एनडीपीएस, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट आदि के करीब दो दर्जन अभियोग पंजीत है। पुलिस अधीक्षक द्वारा गिरफ्तार करने वाली टीम के उत्साहवर्धन हेतु १५हजार का नकद पुरुस्कार दिया गया है।

जिला चिकित्सालय में हुआ जमकर बवाल इमरजेंसी में लगा ताला

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड मे मरीज राधा वर्मा १८ पुत्री अमरीश ग्राम कैमा खादर थाना फरधान आज दोपहर लगभग १२रू०० बजे परिजनों ने इमरजेंसी वार्ड में दवाई दिलाने के लिए लाए थे डॉक्टर डीके यादव के इंजेक्शन लगाते ही लड़की बेहोश हो गयी इस हालत को देख परिजनों डॉक्टर से झड़प हो गई साथ में हाथापाई हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर चार लोगों को हिरासत में लिया सीएमएस ने इमरजेंसी कक्ष को ताला लगवा दिया पुलिस को तहरीर दी। एसपी ने बताया कि ४ लोग हिरासत में लिए गए हैं।

युवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कथाओं पर अध्ययन करने के बाद उस पर चर्चा करें– आनंदीबेन पटेल

लखनऊ। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के २५ वे दीक्षांत समारोह का शुक्रवार को भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत वर्तमान समय में आजादी अमृतोत्सव मना रहा है। आज ही के दिन १९३० में महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा का शुभारम्भ किया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक पर टैक्स लगाने का विरोध अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से प्रारम्भ हुआ यह आंदोलन देश का आंदोलन बन गया। १५० वर्षों से लगातार सघर्ष के बाद देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, विद्वजनों, युवाओं ने अपने जान को न्यौछावर कर आजादी पायी है। महामहिम ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इस अमृत महोत्सव के दौरान प्रत्येक युवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कथाओं पर अध्ययन कर आपसी चर्चा का विषय बनाये। मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह ग्रहण की शिक्षा को समर्पित करने का एक अवसर है। समाज के लिए शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके इस पर कार्य करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा का स्तर बढ़े इसी लिए सरकार द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में कमन पाठ्यक्रम लागू करने की

योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। कोविड–१९ के दौरान राज्य विश्वविद्यालयों ने ३० विभिन्न पाठ्यक्रमों में ७९ हजार ई–कंटेंट अपलोड किए है इसमें वीडियों लेक्चर, वायस एवं टेक्स्ट को शामिल किया गया है। डिजीटल लाइब्रेरी के उपयोग के लिए देशभर के विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षण एवं ज्ञान के लिए अपने उपयोग में ले रहे है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि महामहिम की उपस्थिति विश्वविद्यालय के लिए गौरव के साथ–साथ एतिहासिक भी है। समय–समय पर महामहिम के दिशा–निर्देश से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, शैक्षिक वातावरण के निर्माण एवं कुशल नेतृत्व ने हम सभी का मार्ग–दर्शन किया है। दीक्षांत समारोह में डॉ० लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू०एन०ओ०, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली को मानद् उपाधि प्रदान की गई। कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत गंन्थ गुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर किया। उपाधि प्राप्त छात्रों को दीक्षोपदेश एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। २५वें दीक्षांत समारोह में कुल ११५ स्वर्ण पदक प्रदान किए गये जिसमें २८ कुलपति स्वर्णपदक, ७० कुलाधिपति स्वर्णपदक तथा दान स्वरूप पदक के रूप में १७ स्वर्णपदक प्रदान किए गये। दीक्षांत समारोह में कुल ७७७ स्नातक, परास्नातक उपाधि एवं पी०एच०डी० में २४ उपाधि शोधार्थियों को दी गई। समारोह में आकर्षण का केन्द्र अयोध्या ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के लगभग २५ छात्र–छात्राएं रहे जिन्हे कुलाधिपति ने फल एवं शिक्षण सामग्री भेट किया। इस समारोह का मुख्य आकर्षक परिधान में पुरूष परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद पायजामा तथा महिला परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद सलवार अथवा लाल बार्डर की साड़ी के साथ ही सिर पर अवधी परिधान की परम्परागत पगड़ी रही। इस अवसर पर नीलिमा कटियार, अयोध्या सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, विधायक रामचन्द्र यादव, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, डीआईजी एवं एसएसपी, ब्रिगेडियर जेएस विर्क, अयोध्या के गणमान्य संत, अतुल कुमार सिंह, शक्ति सिंह, कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी, धनंजय सिंह, मुख्य नियंता प्रो० अजय प्रताप सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह कार्यपरिषद के सदस्यगण, विद्यापरिषद के सदस्यगण, विभिन्न विषयों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में पदक धारक एवं उपाधि धारक रहे।

इंग्लैंड गति के साथ भारत को दबाव में लाना चाहता था : मोर्गन

अहमदाबाद। इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि पहले टी२० मैच में दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का उनका फैसला सही था और उनके गेंदबाज गति

के साथ मेजबान टीम के बल्लेबाजों को दबाव में लाना चाहता था। इंग्लैंड ने जोफरा आर्चर (३ध्२३) और मार्क वुड (१ध्२०) की शानदार गेंदबाजी के दम पर यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कल खेले गए पहले टी२० मुकाबले में भारत को २० ओवर में सात विकेट पर १२४ रन पर रोक दिया और आठ विकेट से मैच जीत लिया। मोर्गन ने मैच के बाद कहा, जोफ्रा की ताकत ये है कि वो काफी तेज गति से गेंदबाजी कर सकते हैं लेकिन निश्चित तौर पर मार्क वुड की सबसे बड़ी ताकत ये है कि वो बहुत ज्यादा तेज गति से गेंदबाजी कर सकते हैं। ऐसा हमेशा कर पाना मुश्किल होता है लेकिन जब वो इस तरह से गेंदबाजी करते हैं जैसी उसने इस मैच में की तो ये बेहद मनोरंजक होता है। उन्होंने कहा, विकेट वैसा ही था जैसा हमने सोचा था। हमारी योजना साधारण थी– एक ही लेंथ पर सीधी गेंद कराएं। इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकता हूं, खासकर कि गेंदबाजी आक्रमण से। कप्तान ने आगे कहा, टीम के अंदर अच्छी प्रतिद्वंदिता है और ये रन बनाने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए अच्छा है। जब जेसन रय रन बनाते हैं तो यह अच्छा संकेत है।

फिल्म 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' का पोस्टर का जारी

मुंबई। सलमान खान की अगली फिल्म 'राधे रू योर मोस्ट वांटेड भाई' का पोस्टर रिलीज हो गया है। प्रभु देवा के निर्देशन में बनी फिल्म इस साल १३ मई को ईद पर रिलीज होगी। पोस्टर में सलमान खान अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं और उनके पीछे जलते हुए हेलीकाप्टर और तोपखाने के साथ बैटलग्राउंड को देखा जा सकता है। सलमान दमदार फिजीक में काफी हॉट दिखाई दे रहे हैं। सलमान खान फिल्म्स के प्रवक्ता ने बताया, सलमान खान और ईद का एक विशेष संबंध है और हम सलमान खान फिल्म्स में 'राधेरू योर मोस्ट वांटेड भाई' के साथ परंपरा को जारी रखते हुए खुश हैं। हम ताली बजाने, सीटी बजाने और 'हाउसफुल' के युग को वापस लाने के लिए उत्सुक हैं। फिल्म में दिशा पाटनी, रणदीप हुड्डा और जैकी श्रॉफ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। जी स्टूडियोज के सीबीओ शारिक पटेल ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, यह २०२१ में सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होगी और

हम दर्शकों के समर्थन ध प्रतिक्रिया को देखने के लिए उत्सुक हैं। मुझे यकीन है कि यह कठिन वर्ष के बाद प्रशंसकों के लिए खुशी की बात होगी। 'राधेरू योर मोस्ट वांटेड भाई' सलमान के प्रशंसकों और सिनेमा के चाहने वालों के लिए एकदम सही ईदी होगी।

मैं अपने करियर के किसी प्रोजेक्ट को कम नहीं आंक सकती : गौहर खान

मुंबई। गौहर खान का कहना है कि वह अब तक के अपने करियर ग्राफ से किसी भी प्रोजेक्ट को हटाना या कम आंकना पसंद नहीं करेंगी। उनके लिए उनका हर प्रोजेक्ट बहुत अहम है। अभिनेत्री ने २००६ में रणबीर कपूर–स्टारर 'रॉकेट सिंह सेल्समैन ऑफ द ईयर' के साथ अपने करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद वह 'गेम', 'इशकजादे', 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' और 'बेगम जान' जैसी फिल्मों में दिखाईं दीं। हाल ही में उन्होंने वेब सीरीज 'तांडव' के साथ ओटीटी स्पेस में भी डेब्यू कर लिया। इससे पहले वो बिग बॉस ७ भी जीत चुकी हैं। कुल मिलाकर उनके पिटारे में अच्छे प्रोजेक्ट रहे और उन्हें हर बार अपने काम के लिए सराहना भी मिली। क्या उन्होंने अपने करियर में आगे बढ़ने को लेकर कोई और योजना बनाई थी? इस पर तत्काल जवाब देती हैं, बिल्कुल नहीं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक